Total Pages : 3 Roll No. .....

BAKK-202

पूजन एवं देवस्थापन विधान

कला में स्नातक (कर्मकाण्ड) बी.ए. -12/16/17

द्वितीय वर्ष, सत्र 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (3×15=45)

1. पूजन के महत्त्व पर प्रकाश डालें।

2. विधिपूर्वक प्रातः सन्धया के संकल्प को लिखें।

3. अभिषेक विधि का उल्लेख करें।

4. बौधायनोक्त पुण्याहवाचन को लिखें।

5. पौराणिक दृष्टि से कलश के महत्त्व का उल्लेख करें।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. षोडशमातृका देवताओं के नामों का उल्लेख करें।

2. विधिपूर्वक नवग्रहों के स्थापन क्रम का सचित्र वर्णन करें।

3. पंचलोकपाल एवं दशदिक्पालों के नाम लिखें।

4. सप्रघृत मातृकाओं के नाम लिखें।

5. वास्तोष्पति देवता का परिचय लिखें।

6. नान्दीश्राद्ध का स्वरूप निरूपण करें।

7. क्षेत्रपाल का परिचय लिखें।

8. षोडशोपचारों के नामों का उल्लेख करें।